26 मार्च 2026
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बक्सर में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर कड़ा प्रहार, दो रेस्टोरेंट पर एफआईआर, 24 सिलेंडर जब्त

2

एक नजर

एसआईआर की पहली पूरक सूची में कटे 13 लाख लोगों के नाम

कोलकाता। बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की पहली पूरक सूची में करीब 13 लाख लोगों के नाम कटे हैं। बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के सूत्रों से यह जानकारी मिली है। उनके अनुसार पहली सूची जारी होने तक 32 लाख मामलों का निपटारा हुआ था, जिनमें से 13 लाख लोगों के नाम कटे हैं जबकि 10 लाख के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल हुए हैं। बाकी नौ लाख लोगों के स्टेटस को लेकर फिलहाल अनिश्चितता है। इस बीच सूत्रों के हवाले से यह भी खबर है कि दूसरी पूरक सूची आगामी शुक्रवार को जारी होगी। पहली सूची सोमवार मध्य रात्रि को जारी हुई थी। चुनाव आयोग की ओर से इसे लेकर अब तक कोई प्रेस नोट जारी नहीं किया गया है, जिससे आधिकारिक तौर पर यह यह स्पष्ट नही हो पाया है कि कुल कितने लोगों के नाम कटे हैं और कितनों के नाम इससे अंतिम मतदाता सूची में जुड़े हैं। अंतिम मतदाता सूची जारी होने के 22 दिन बाद पहली पूरक सूची जारी हुई थी।

सोनिया गांधी की तबीयत स्थिर बताई जा रही

नई दिल्ली। सोनिया गांधी की तबीयत को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है। उन्हें मंगलवार रात करीब 10:22 बजे सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। अस्पताल के चेयरमैन डॉक्टर अजय स्वरूप ने जानकारी देते हुए बताया कि सोनिया गांधी को पेट और यूरिनरी ट्रैक्ट में संभावित संक्रमण की जांच के लिए अभी भर्ती रखा जा रहा है। डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर रखे हुए है और आवश्यक जांच की जा रही है। डॉक्टरों के मुताबिक, शुरूआती तौर पर एंटीबायोटिक्स दी गई हैं ताकि संक्रमण को नियंत्रित किया जा सके। फिलहाल उनकी हालात स्थिर बताई जा रही है। और किसी भी तरह की गंभीर चिंता की बात सामने नहीं आई है। हालांकि, उनकी सेहत को लेकर पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

पेट्रोल-डीजल और गैस की कमी नहीं : राजनाथ सिंह

- सर्वदलीय बैठक में बोली सरकार, होर्मुज से जल्द निकलेंगे और जहाज
- भारतीयों की सुरक्षा के लिए सरकार ने जो कदम उठाये हैं

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के मौजूदा बजट सत्र के बीच बुधवार को मिडिल ईस्ट की स्थिति और उसके भारत पर संभावित प्रभाव को लेकर सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति पर चर्चा हुई। बैठक में सरकार ने विपक्षी दलों से कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, कच्चे तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने के साथ-साथ और शिप होर्मुज से आ रहीं हैं। सरकार की प्राथमिकता प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और घरेलू ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करना है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में सरकार ने विपक्ष के नेताओं के साथ चर्चा की। पश्चिम एशिया में जारी संकट की जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया की स्थिति से भारत पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारतीयों की सुरक्षा के लिए सरकार ने जो कदम उठाये हैं, उन पर विपक्ष ने सवाल कियें। सरकार ने सभी सवालों के संतोषजनक जवाब दिये। मंत्री ने बताया कि बैठक में विपक्ष ने कहा है कि संकट की घड़ी में वे एकजुट होकर सरकार का साथ देंगे। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की. गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर, मुकुल वासनिक सहित कई विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। सर्वदलीय बैठक में सरकार ने बताया कि सरकार पूरी तरह सजग है और मजबूती से काम कर रही है, ताकि नागरिकों को किसी तरह की असुविधा न हो। विपक्षी दलों ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और उसके भारत पर पड़ने वाले असर को लेकर संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के बाद सर्वदलीय बैठक की मांग की थी। तृणमूल कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक से दूरी बनाये रखी और इसमें हिस्सा नहीं लिया।

राज्यसभा में पीएम मोदी ने दिया था ये बयान

इससे पहले मंगलवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मिडिल ईस्ट में जारी लड़ाई के चलते जो स्थिति बनी है, उससे निपटने के लिए सात नये अधिकारसंपन्न समूहों का गठन किया गया है। ये समूह एलपीजी, जरूरी सेवाओं और वस्तुओं की आपूर्ति सहित अन्य मामलों को देखेंगे और सुझाव देंगे ।मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच भारतीय जहाजों का देश में आना जारी है। दो एलपीजी टैंकर, पाइन गैस और जग वसंत, सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। पाइन गैस में 45,000 मीट्रिक टन एलपीजी लदा है। यह 27 मार्च की सुबह न्यू मैंगलोर पोर्ट पर पहुंच सकता है।

वीकएंड पर नहीं चलेगी संसद, पहले दिया था प्रस्ताव

एजेंसी। नई दिल्ली

वीकएंड पर संसद नहीं चलेगी, सभी पार्टियों ने मिलकर ये फैसला किया है। पहले यह प्रस्ताव था कि इस शनिवार और रविवार को सरकार संसद में बिजनेस ले कर आए। संसदीय कार्यमंत्री किरन रीजीजू ने बताया कि 26 मार्च यानी गुरुवार को छुट्टी रहेगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार संसद के आगामी कार्यक्रम में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। शुक्रवार को आम तौर पर प्राइवेट मेंबर बिल आते हैं लेकिन इस बार शुक्रवार को संसद फाइनेंस बिल पास करेगी। शनिवार और रविवार को हमेशा की तरह की संसद नहीं चलेगी। केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने कहा कि पहले हमने कहा था कि शनिवार और रविवार को काम होगा लेकिन अब तय किया है कि तब छुट्टी रहेगी। 30 मार्च से संसद फिर चलेगी। मंगलवार यानी 31 मार्च को महावीर जयंती की छुट्टी होगी और फिर 1 या 2 अप्रैल को राज्यसभा में सीएपीएफ बिल पर चर्चा होगी, जिसके लिए 8 घंटे का वक्त तय किया गया है। आपको बता दें कि 26 मार्च को राम नवमी और 31 मार्च को महावीर जयंती है।

कहा- समुद्री व्यापार पर नहीं पड़ा कोई असर

खाड़ी में 20 भारतीय जहाज मौजूद सभी सुरक्षित, संकट पर सरकार अलर्ट

540 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और 50 को वापस लाया गया है, अब तक 4.26 लाख लोग भारत लौट चुके

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने साफ किया है कि देश के नागरिकों और नाविकों की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित है। सरकार लगातार हालात पर नजर रख रही है और हर जरूरी कदम उठा रही है। शिपिंग मंत्रालय और विदेश मंत्रालय दोनों स्तर पर निगरानी तेज कर दी गई है। खाड़ी क्षेत्र में हालात संवेदनशील जरूर हैं, लेकिन भारत ने अपने लोगों को सुरक्षित रखने और व्यापार को जारी रखने के लिए मजबूत व्यवस्था बनाई है। सरकार के मुताबिक पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय जहाज या नाविक से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। फारस की खाड़ी में मौजूद 20 भारतीय जहाज और उनमें सवार 540 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसी दौरान 50 भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस भारत लाया गया है। बंदरगाहों पर काम सामान्य चल रहा है और कहीं भी जाम या रुकावट की खबर नहीं है। इससे साफ है कि भारत ने समुद्री गतिविधियों को स्थिर बनाए रखा है।

समुद्री रास्ते और भारतीय नाविक सुरक्षित

शिपिंग मंत्रालय ने बताया कि सभी प्रमुख बंदरगाहों जैसे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट, कांडला, वीजाग और अन्य जगहों पर स्थिति सामान्य है। मुंद्रा पोर्ट ने भी बड़ा कदम उठाते हुए मिडिल ईस्ट जाने वाले कंटेनरों के लिए 15 दिन की फ्री स्टोरेज दी है। इसके अलावा कई चार्ज में छूट दी गई है। इससे व्यापार पर असर कम करने की कोशिश की जा रही है और कंपनियों को राहत मिल रही है।

विदेश में फंसे भारतीयों की वापसी

विदेश मंत्रालय के अनुसार 28 फरवरी से अब तक करीब 4 लाख 26 हजार लोग खाड़ी क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। इसके लिए 2,149 उड़ानों का संचालन किया गया है। यूएई, ओमान और सऊदी अरब से लगातार फ्लाइट्स चल रही हैं। कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है और वहां से भी उड़ानें शुरू हो गई हैं। कुवैत और बहरीन से सीधे उड़ानें बंद हैं, लेकिन सऊदी अरब के जरिए भारतीयों को वापस लाया जा रहा है। सरकार ने बताया कि ईरान से भारतीयों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते निकाला जा रहा है। अब तक 1,043 लोग वहां से बाहर आ चुके हैं, जिनमें 717 छात्र भी शामिल हैं। वहीं इस्राइल से भारतीयों को जॉर्डन के रास्ते वापस लाया जा रहा है। सरकार ने यह भी बताया कि रियाद में हुए हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी, जिनका शव भारत लाया गया है। सरकार परिवार के संपर्क में है और हर संभव मदद दी जा रही है।

वकीलों के लिए बनेगा अलग कल्याण कोष

एजेंसी। नई दिल्ली

शीर्ष अदालत में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों के लिए खुशखबरी है। दरअसल, उनके भविष्य को लेकर एक बड़ा कदम उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार, भारतीय विधि परिषद और दिल्ली बार काउंसिल को नोटिस जारी किया है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से एक याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के वकीलों के लिए 'वेलफेयर फंड' बनाने की मांग की गई थी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि इस तरह के फंड का निर्माण समय की मांग है। वर्तमान में 'एडवोकेट्स वेलफेयर फंड एक्ट' में एक बड़ी कानूनी खामी है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने अदालत में दलील दी कि मौजूदा कानून के तहत सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को वह लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसके वे हकदार हैं। विकास सिंह ने कहा कि जब भी कोई वकील सुप्रीम कोर्ट में वकालतनामा दाखिल करता है, तो उस पर वेलफेयर स्टैंप लगाया जाता है। लेकिन इस स्टैंप से होने वाली कमाई सीधे दिल्ली बार काउंसिल के पास चली जाती है। कानून के अनुसार, वकील केवल वही है जो किसी राज्य की बार काउंसिल की सूची में दर्ज हो। इस तकनीकी पेंच की वजह से सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन इस दायरे से बाहर हो जाता है। उसके सदस्यों को मुसीबत के समय कोई आर्थिक मदद नहीं मिल पाती।

आयुष्मान योजना में धोखाधड़ी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय की जांच में एक ऐसे मामले का खुलासा हुआ है, जिसमें फर्जी अस्पताल संचालकों ने असली 'आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना' के लाभार्थियों को अपने झांसे में फंसाया। उन्हें तीन सौ रुपये देकर फर्जी मरीज बनाया। अस्थायी अस्पताल में उनके फोटो खींचे। उसके बाद उन फोटो को विभाग की साइट पर अपलोड किया। यह दिखाया कि वे मरीजों का इलाज कर रहे हैं। आरोपियों ने सरकारी योजना के तहत मिलने वाली राशि हड़पने के लिए 778 नकली दावे तैयार किए। ऐसा कर उन्होंने 64 लाख रुपये की आपराधिक आय जुटा ली। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अंतरिम कुर्की आदेश (पीएओ) जारी कर असम के हैलाकांडी स्थित शिफा अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के स्वामी मोबजिल हुसैन बरभुइया की लगभग 55.33 लाख रुपये की अचल संपत्तियों को कुर्क कर लिया है। यह मामला आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत बड़े पैमाने पर हुई धोखाधड़ी से संबंधित है।

भगवा रंग में रंगा डुमरांव, महाबीरी झंडा जुलूस को लेकर उत्साह चरम पर

- **27 मार्च को निकलेगा ऐतिहासिक जुलूस, हाथी-घोड़े, ऊंट और भव्य झांकियां होंगी आकर्षण का केंद्र**

केटी न्यूज/डुमरांव

रामनवमी के पावन अवसर पर डुमरांव शहर एक बार फिर भक्ति और उत्साह के रंग में पूरी तरह सराबोर हो चुका है। महाबीरी झंडा जुलूस को लेकर शहर में तैयारियां जोरों पर हैं। श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति द्वारा पूरे नगर को भगवा झंडों से सजा दिया गया है, जिससे हर गली-मोहल्ला धार्मिक आस्था और उत्सव का संदेश देता नजर आ रहा है। आयोजन को सफल और भव्य बनाने के लिए समिति के सदस्यों के बीच जिम्मेदारियों का बंटवारा कर दिया गया है। हर सदस्य अपने-अपने दायित्व को पूरी निष्ठा के साथ निभाने में जुटा है। दिन-रात की मेहनत से जुलूस को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी चल रही है। समिति के अनुसार, 27 मार्च को रामनवमी के दिन सुबह छठिया पोखरा स्थित हनुमान मंदिर में पारंपरिक शस्त्र पूजन किया जाएगा। इसके बाद शाम को राजगढ़ के विशाल फाटक से भव्य जुलूस की शुरूआत होगी, जो पूरे शहर का भ्रमण करेगा। इस बार जुलूस की खास बात यह है कि इसमें पारंपरिक धार्मिक झांकियों के साथ-साथ विविध सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिलेंगे। जुलूस में हाथी, घोड़े और ऊंट की सवारी आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगी। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों से आए ढोल-ताशे दल अपनी प्रस्तुति से माहौल को और अधिक जीवंत बनाएंगे। झांकियों में मां काली की भव्य प्रतिमा, अघोर नृत्य और राम दरबार की झलक श्रद्धालुओं को भावविभोर कर देगी। खास बात यह है कि इस बार दक्षिण भारतीय संस्कृति की झलक भी जुलूस में देखने को मिलेगी, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ जाएगी। शहरवासियों में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस पर्व को लेकर उत्साहित हैं। बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है और हर ओर तैयारियों की गूंज सुनाई दे रही है। आयोजन समिति का दावा है कि इस वर्ष का महाबीरी झंडा जुलूस पहले के मुकाबले कहीं अधिक भव्य, आकर्षक और ऐतिहासिक होगा। यह न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक बनेगा, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विविधता का भी संदेश देगा।

बक्सर में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर कड़ा प्रहार, दो रेस्टोरेंट पर एफआईआर, 24 सिलेंडर जब्त

- **डीएम, एसपी की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा, 10 दिनों में 60 हजार से अधिक सिलेंडर वितरित, कंट्रोल रूम पर 365 शिकायतें दर्ज**

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर की उपलब्धता, कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्त नजर रखते हुए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। बुधवार की शाम समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी साहिला और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की जानकारी दी गई कि गैस आपूर्ति को पारदर्शी और सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

प्रेस वार्ता में बताया गया कि जिले में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत कुल 27 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। इन एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि किसी प्रकार की किल्लत की स्थिति उत्पन्न न हो।

लगातार हो रही छापेमारी, दोषियों पर कार्रवाई

डीएम और एसपी ने बताया कि जिले के वरीय पदाधिकारियों, अनुमंडल पदाधिकारियों, सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों की टीमों द्वारा गैस एजेंसियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की लगातार भौतिक जांच की जा रही है। इस दौरान ऐसे प्रतिष्ठानों को चिन्हित किया जा रहा है जो घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग कर रहे हैं या कालाबाजारी में संलिप्त हैं। इसी क्रम में बक्सर सदर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा दो प्रतिष्ठानों पहवा रेस्टोरेंट और संगम फैमिली रेस्टोरेंट के खिलाफ घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी के दौरान कुल 24 सिलेंडरों को जब्त किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

10 दिनों में 60 हजार से अधिक सिलेंडर का वितरण

प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, 13 मार्च से 24 मार्च तक जिले में कुल 60,963 एलपीजी गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया है। वहीं, 24 मार्च तक गैस एजेंसियों के पास 4,903 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी भी तरह की कमी नहीं है।

कंट्रोल रूम बना सहारा, 24 घंटे मिल रही सुविधा

उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखा गया है। डीएम ने बताया कि कोई भी उपभोक्ता गैस आपूर्ति से संबंधित शिकायत या समस्या को 06183-223333 नंबर पर दर्ज करा सकता है। यह कंट्रोल रूम 247 कार्यरत है और शिकायतों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है।

365 शिकायतों में 313 का त्वरित समाधान

प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया गया कि 24 मार्च तक जिला नियंत्रण कक्ष में कुल 365 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 313 शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्याओं का निष्पादन कर दिया गया है, जबकि शेष शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया जारी

365 शिकायतों में 313 का त्वरित समाधान

प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया गया कि 24 मार्च तक जिला नियंत्रण कक्ष में कुल 365 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 313 शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्याओं का निष्पादन कर दिया गया है, जबकि शेष शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया जारी

प्रशासन का सख्त संदेश

डीएम साहिला और एसपी शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से कहा कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी, जमाखोरी और घरेलू सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही आम जनता से अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

एक नजर

चैत्र नवरात्र में आस्था और लोकसंस्कृति का संगम, मुरा बाबा वार्षिकोत्सव में उमड़ी भीड़

चौसा। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर चौसा क्षेत्र में आयोजित मुरा बाबा का वार्षिकोत्सव इस बार आस्था, परंपरा और लोकसंस्कृति का अनूठा संगम बन गया। चैत्र सप्तमी के दिन बनारपुर और सिकरौल के समीप प्लांट स्थल स्थित मुरा बाबा मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक शामिल हुए। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा-अर्चना के लिए उमड़ पड़ी। पूरे विधि-विधान के साथ मुरा बाबा की पूजा की गई, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ। आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा भव्य दुगोला चैता गायन, जिसमें आरा के व्यास रामाशंकर सिंह और अरवल के व्यास सुदर्शन यादव के बीच मुकाबला हुआ। दोनों कलाकारों ने राम जन्म से जुड़े गीतों के माध्यम से सवाल-जवाब की शैली में ऐसा समां बांधा कि श्रोता देर शाम तक मंत्रमुग्ध होकर जमे रहे। कार्यक्रम में पारंपरिक भक्ति गीतों के साथ-साथ लोक रंग से भरपूर प्रस्तुतियों ने भी लोगों का खूब मनोरंजन किया। मेले जैसा माहौल पूरे दिन बना रहा, जहां दूर-दराज के गांवों से आए लोगों ने आयोजन का आनंद लिया। इसी दौरान आयोजित घुड़दौड़ प्रतियोगिता ने भी लोगों का ध्यान खींचा। विभिन्न जिलों और पड़ोसी राज्य से आए घोड़ों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। फाइनल में रोहतास के अकोढ़ी के सिपाही का घोड़ा प्रथम स्थान पर रहा, जबकि भीतिहारा के राजेंद्र का घोड़ा द्वितीय और जिगना के मुन्ना का घोड़ा तृतीय स्थान पर रहा। विजेताओं को आयोजन समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया। आयोजन के अंत में अतिथियों को पगड़ी और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुरा बाबा पूजा समिति के अध्यक्ष अजय चौधरी, धुपन सिंह सहित कई ग्रामीणों की अहम भूमिका रही।

नारीशक्ति जीविका महिला संकुल संघ की वार्षिक आम सभा सम्पन्न, उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदियां हुई सम्मानित

नावानगर। स्थानीय प्रखंड अंतर्गत नारीशक्ति जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ द्वारा बुधवार को वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएलएफ की अध्यक्ष संगीता देवी ने की। सभा का शुभारंभ प्रखंड परियोजना प्रबंधक श्री पप्पू प्रसाद, ग्रामीण बैंक शाखा प्रबंधक सोनवर्षा तथा सीएलएफ अध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संकुल संघ से जुड़े ग्राम संगठन एवं जीविका कैडर, जिन्होंने अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जीविका दीदियों एवं कैडरों की सहभागिता रही, जिससे आयोजन का महत्व और बढ़ गया। सभा को संबोधित करते हुए सीएलएफ अध्यक्ष ने बताया कि इस संकुल संघ के अंतर्गत कुल 512 स्वयं सहायता समूह , 44 ग्राम संगठन एवं 5580 दीदियां जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सीएलएफ को कुल 4,49,977 रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है, जो संघ की सशक्त कार्यप्रणाली और दीदियों की मेहनत का परिणाम है। आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सभी जुड़ी दीदियों का बीमा कराया जाएगा, एसएचजी के ऋण की समय पर मासिक वापसी सुनिश्चित की जाएगी तथा नए-नए जीविकोपार्जन के अवसरों को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने, स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण तथा एसजेवाई से जुड़ी दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय समन्वयक धनंजय भारती ने किया। उन्हें सामुदायिक समन्वयक मनोज गुप्ता, ओम प्रकाश सिंह एवं बबलू कुमार का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सीएलएफ की एमबीके नमिता गुप्ता, सीएफ प्रियंका कुमारी, एसईडब्लू नीतू कुमारी, सीएनआरपी पिंकी देवी, सीएम नीलू कुमारी सहित सैकड़ों कैडर एवं जीविका दीदियां उपस्थित रहीं।

समृद्धि यात्रा पर कांग्रेस का तीखा प्रहार, जमीनी मुद्दों से दूरी का आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

समृद्धि यात्रा के तहत बक्सर पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता डॉ. मनोज पांडे ने आरोप लगाया कि इस पूरी यात्रा में जमीनी मुद्दे पूरी तरह गायब रहे और आम जनता की समस्याओं पर कोई ठोस चर्चा नहीं की गई।

डॉ. पांडे ने कहा कि बक्सर जैसे औद्योगिक संभावनाओं वाले जिले में भी युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। चौसा पावर प्लांट और नवानगर फैक्ट्री जैसी बड़ी परियोजनाओं के बावजूद स्थानीय युवाओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया है, जिससे उनमें निराशा बढ़ रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जिले में उद्योग मौजूद हैं, तो बेरोजगारी की समस्या अब तक क्यों बनी हुई है।

महंगाई के मुद्दे पर भी कांग्रेस ने सरकार को घेरा। डॉ. पांडे ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम लोगों की परेशानी चरम पर पहुंच गई है। इसके बावजूद सरकार इस गंभीर मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है और जनता को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम नजर नहीं आ रहा।

उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के समय किए गए बड़े-बड़े वादे–जैसे रोजगार सृजन, महंगाई पर नियंत्रण और किसानों की आय बढ़ाने के दावे–आज भी अधूरे हैं। सरकार इन मुद्दों पर जवाब देने से बच रही है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

डॉ. पांडे ने समृद्धि यात्रा को ह्यजनसंवादह्ल की बजाय ह्यएकतरफा बयानबाजीह्ल करार दिया। उनका कहना था कि इस यात्रा में जनता की समस्याओं को सुनने के बजाय केवल सरकारी उपलब्धियों का बखान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बक्सर की जनता अब पूरी तरह जागरूक हो चुकी है और आने वाले लोकसभा चुनाव में सरकार को इसका जवाब जरूर मिलेगा। कांग्रेस ने साफ किया कि वह जनता के मुद्दों को लेकर लगातार आवाज उठाती रहेगी और सरकार को जवाबदेह बनाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

एमडीजे पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद महोत्सव का शुभारंभ

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा स्थित एमडीजे पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय 17वें वार्षिक खेलकूद महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के निदेशक डॉ. नंद कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने खेल मैदान में आकर्षक फ्लैग मार्च निकालते हुए खेल भावना और जागरूकता का संदेश दिया। महोत्सव में नर्सरी से लेकर कक्षा 9 तक के कुल 1450 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। निदेशक डॉ. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है, इसलिए पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी है। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 36 प्रकार के इनडोर और आउटडोर खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताएं, लॉन्ग जंप, हाई जंप, चेस, कैरम, लूडो समेत कई रोचक खेल शामिल हैं। पहले दिन विभिन्न खेलों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए, जिनके विजेता प्रतिभागी सेमीफाइनल में जगह बनाएंगे। क्रिकेट मुकाबले में संस्कार हाउस ने प्रेरणा हाउस को 15 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं वॉलीबॉल में कक्षा 9 ए की टीम ने कक्षा 8 बी को 3 अंकों से पराजित किया। सभी प्रतियोगिताएं खेल शिक्षक संतोष कुमार सिंह एवं राजू कुमार के निर्देशन में आयोजित हो रही हैं, जिसमें विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। महोत्सव का फाइनल मुकाबला 25 मार्च को रंगारंग कार्यक्रम के साथ विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया।

मुख्यमंत्री ने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश, जीविका समूहों को करोड़ों की वित्तीय सहायता

समृद्धि यात्रा में बक्सर को 592 करोड़ की सौगात, 64 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को समृद्धि यात्रा के क्रम में बक्सर जिले को बड़ी विकासात्मक सौगात दी। उन्होंने 592 करोड़ रुपये की लागत से कुल 64 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 106 करोड़ रुपये की लागत से 41 योजनाओं का उद्घाटन तथा 486 करोड़ रुपये की लागत से 23 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। आईटीआई मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट का अनावरण कर इन योजनाओं की औपचारिक शुरूआत की।

समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया और योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने जीविका से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता वितरित की। मुख्यमंत्री ने 7,441 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत 33 करोड़ 17 लाख रुपये तथा 7,859 जीविका समूहों को विभिन्न बैंकों के माध्यम से 100 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग की विशेष सहायता योजनाओं के तहत अनुदान राशि, आयुष्मान कार्ड, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड एवं कुशल युवा कार्यक्रम के प्रमाण पत्र भी लाभुकों को सौंपे गए।

मुख्यमंत्री के आगमन पर जीविका दीदियों ने स्वागतगान प्रस्तुत कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनसे संवाद करते हुए कहा कि बिहार के विकास में जीविका समूहों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी इसी समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया और भरोसा दिलाया कि सरकार हर कदम पर उनके साथ है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पूर्व में घोषित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की। उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेते हुए कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी परियोजनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएं बक्सर जिले के समग्र विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं और इनके पूर्ण होने से क्षेत्र की आधारभूत संरचना मजबूत होगी तथा आम लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

जिन प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की गई, उनमें उद्वह सिंचाई योजना, मलई बराज निर्माण, बक्सर-कोईलवर गंगा तटबंध के सुदृढ़ीकरण एवं सुरक्षात्मक कार्य (51.720 किमी), भोजपुर-सिमरी पथ का चौड़ीकरण (9.30 किमी), बक्सर गोलंबर से ज्योति चौक होते हुए बस स्टैंड तक 4-लेन सड़क निर्माण (3 किमी), बड़ी मस्जिद से सेंट्रल जेल तक सड़क चौड़ीकरण (4.20 किमी) तथा एनएच-922 से ब्रह्मपुर प्रखंड कार्यालय होते हुए ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर तक सड़क सुदृढ़ीकरण (2.50 किमी) शामिल हैं।

इसके अलावा नगर परिषद क्षेत्र में 620 क्षमता वाले अटल कला भवन का निर्माण, बक्सर सदर प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय का नया भवन, धनसोई बाजार बाईपास (4.05 किमी), आईटीआई मैदान में स्टेडियम निर्माण, गंगा नदी पर बने जनेश्वर मिश्र (बयासी) पुल के पहुंच पथ का निर्माण तथा भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां संगीत कॉलेज की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी शामिल हैं। साथ ही सिमरी, चौसा, चौगाई और केसठ प्रखंडों में नए अंचल कार्यालय भवनों का निर्माण कार्य भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने आईटीआई मैदान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खान, राजपुर विधायक संतोष निराला, बक्सर सदर विधायक आनंद मिश्रा, डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह, पूर्व विधान पार्षद हुलास पांडेय सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं प्रशासनिक स्तर पर विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर, शाहाबाद प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक डॉ. सत्यप्रकाश, जिलाधिकारी साहिला और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य सहित अन्य वरीय अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

विकास की रफ्तार लगातार तेज, हर क्षेत्र में बदलाव दिख रहा : नीतीश कुमार

शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और रोजगार पर सरकार के बड़े दावे, केंद्र से सहयोग की भी सराहना

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी समृद्धि यात्रा के दौरान बुधवार को बक्सर पहुंचे। इस दौरान अपने संबोधन में सीएम ने राज्य में हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि 24-25 नवंबर से सरकार बनने के बाद लगातार विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि शुरूआत से ही शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जहां शाम के बाद लोग घरों से बाहर निकलने में डरते थे, वहीं अब कानून व्यवस्था बेहतर हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पहले बहुत कम बच्चे स्कूल जाते थे, लेकिन अब साइकिल और पोशाक योजना जैसी पहल से पढ़ाई को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि अब तक लाखों शिक्षकों की नियुक्ति की गई है और आगे भी 75 हजार नए शिक्षकों की बहाली की प्रक्रिया जारी है।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बहुत कम मरीज आते थे, लेकिन अब हर महीने हजारों लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। पटना के अस्पतालों में 5400 नए बेड बनाए जा रहे हैं और आईजीएमएस में भी 3 हजार बेड की सुविधा विकसित की जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले जहां राज्य में सिर्फ छह मेडिकल कॉलेज थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है और आगे और विस्तार किया जाएगा।

बिजली और बुनियादी ढांचे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018 तक हर घर बिजली पहुंचा दी गई। अब सस्ती बिजली के साथ-साथ जरूरतमंदों को मुफ्त बिजली भी दी जा रही है। इसके अलावा सड़कों, पुलों और एलिवेटेड रोड का तेजी से निर्माण हो रहा है।

कृषि क्षेत्र में प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कृषि रोडमैप के बाद मछली और दूध उत्पादन में वृद्धि हुई है। साथ ही 'सात निश्चय' योजना के तहत युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बिहार पर विशेष ध्यान है। उन्होंने मखाना बोर्ड और हवाई अड्डा जैसी योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी वर्गों और समुदायों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा।

समृद्धि यात्रा में जीविका दीदियों को मिली करोड़ों की सहायता, 20 सिलाई केंद्रों का किया शुभारंभ

■ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा–महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूती

केटी न्यूज/बक्सर

समृद्धि यात्रा के छठे चरण में बक्सर के आईटीआई ग्राउंड परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जीविका से जुड़ी महिलाओं (दीदियों) को करोड़ों रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर जीविका दीदियों द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण, सामुदायिक निवेश निधि तथा आजीविका विस्तार के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया। 7859 स्वयं सहायता समूहों को 100 करोड़ रुपये का बैंक ऋण तथा 7441 समूहों को 37.17 करोड़ रुपये की सामुदायिक निवेश निधि का प्रतीकात्मक चेक सौंपा गया। इसके साथ ही कस्टम हायरिंग सेंटर के अंतर्गत एक महिला ग्राम संगठन को कृषि यंत्र बैंक की प्रतीकात्मक चाभी भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में विभिन्न आजीविका गतिविधियों की आकर्षक झलक देखने को मिली। अगरबत्ती निर्माण, सिलाई एवं रेडीमेड वस्त्र उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक खेती, टेडी बियर निर्माण, हस्तशिल्प, आचार-पापड़, कालीन बुनाई, सेनेटरी पैड निर्माण जैसे उत्पादों ने सभी का ध्यान खींचा। इन गतिविधियों से जुड़ी महिलाएं आज प्रति माह 10 हजार से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इनमें नावानगर प्रखंड में सिलाई उत्पादन सह प्रशिक्षण केंद्र, चुरामनपुर में जीविका भवन स्थित सिलाई केंद्र तथा जिले के प्रत्येक प्रखंड में कुल 20 सिलाई केंद्रों का शुभारंभ शामिल है। इन केंद्रों से महिलाओं को प्रशिक्षण के साथ रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

बक्सर किला मैदान में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने करीब 6000 जीविका दीदियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि जीविका के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 में स्वयं सहायता समूहों की शुरूआत कर 'जीविका' नाम दिया गया था, जो आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुका है।

मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' का जिक्र करते हुए बताया कि इसके तहत महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए 2 लाख 10 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।

कार्यक्रम में जिले के सातों प्रखंडों से बड़ी संख्या में जीविका दीदियों ने भाग लिया। इस दौरान जिला परियोजना प्रबंधक दयानिधि चौबे सहित विभिन्न प्रखंडों के पदाधिकारी और जीविका कर्मी मौजूद रहे। समृद्धि यात्रा के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम बक्सर में महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एक अहम कदम साबित हो रहा है।

बक्सर में विकास की रफ्तार पर सरकार का फोकस, योजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन का निर्देश

■ समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दी सख्त हिदायत–रोजगार, उद्योग और जनकल्याण योजनाओं पर विशेष जोर

केटी न्यूज/बक्सर

समृद्धि यात्रा के क्रम में बक्सर पहुंचे नीतीश कुमार ने जिले में चल रही विकास योजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को उनके त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन का निर्देश दिया। किला मैदान में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं को जमीन पर उतारने की है, ताकि आम लोगों को उसका सीधा लाभ मिल सके।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी साहिला ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सात निश्चय-2 और सात निश्चय-3 के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। इसके साथ ही प्रगति यात्रा में घोषित योजनाओं की वर्तमान स्थिति और जिले में हो रहे अन्य विकास कार्यों की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वीकृत योजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-2 के तहत चल रही योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, वहीं सात निश्चय-3 के तहत नई योजनाओं पर तेजी से काम शुरू किया जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर सफल बनाना है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य बिहार को देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में लाना है। उन्होंने सात निश्चय-3 के तहत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि आम लोगों के दैनिक जीवन की परेशानियों को कम करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर संवेदनशीलता और जवाबदेही बेहद जरूरी है।

रोजगार के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज दिया जा रहा है, जिससे उद्यमियों को निवेश के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। साथ ही स्टार्टअप नीति के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

बैठक में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई वरिष्ठ मंत्री, अधिकारी और प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी को निर्देश दिया गया कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में गति और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, ताकि जिले के लोगों को समय पर लाभ मिल सके।

बक्सर में बोले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी विकास पर सरकार का जोर

■ सड़क, बिजली और महिलाओं के सशक्तिकरण पर डिप्टी सीएम का फोकस

केटी न्यूज/बक्सर

समृद्धि यात्रा के दौरान बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में हो रहे विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए सरकार की प्राथमिकताओं और उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के कारण राज्य में आधारभूत संरचना का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

उन्होंने सड़क निर्माण को विकास की रीढ़ बताते हुए कहा कि पिछले वर्षों में बड़े पैमाने पर सड़कों का जाल बिछाया गया है। अब राज्य के गांव-गांव तक बेहतर सड़क संपर्क स्थापित हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि पटना से बक्सर की दूरी अब महज डेढ़ घंटे में तय की जा सकती है, जो पहले की तुलना में बड़ी उपलब्धि है। साथ ही, पुराने संकरे पुलों के स्थान पर फोर लेन पुलों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे यातायात और अधिक सुगम होगा।

बिजली व्यवस्था में सुधार को लेकर उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में जहां सीमित घरों तक ही बिजली पहुंच पाती थी, वहीं आज नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य के करोड़ों घरों तक बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। सरकार का लक्ष्य हर घर तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच का अंतर कम हो सके। धार्मिक आस्था से जुड़े मुद्दों पर भी उन्होंने संवेदनशीलता दिखाई। बक्सर स्थित भगवान वामन मंदिर को लेकर उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन को उचित समाधान निकालने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मंदिर तक पहुंच आसान हो सके। इसके अलावा, उन्होंने पटना से कोईलवर होते हुए बक्सर तक मरीन ड्राइव के विस्तार की घोषणा की, जिससे क्षेत्र में आवागमन और भी बेहतर होगा। महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।

द वेगन चॉइस पशु उत्पाद रहित शाकाहार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्यूज/आरा

महंत महादेवानंद महिला महाविद्यालय,आरा में 24 एवं 25 मार्च को द वेगन चॉइस विषय पर दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उद्धारिणी फाउंडेशन द्वारा एनिमल क्लाइमेट हेल्थ सेव फाउंडेशन एवं फ्रहत्र्र के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.डॉ.एनपी पालित,डॉ.स्मृति चौधरी, स्वर्णिका सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। प्राचार्य पालित ने पर्यावरण संरक्षण,पशुओं की सुरक्षा तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवन शैली के लिए पर्यावरण-अनुकूल वेगन आहार अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के प्रयास सार्थक परिवर्तन लाएंगे, क्योंकि वेगन जीवन शैली की ओर उठाया गया छोटा कदम भी दीर्घकाल में बड़ा प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इसके पश्चात उद्धारिणी फाउंडेशन की संस्थापक सुश्री स्वर्णनिका राज सिंह एवं श्री जिशु दयाल द्वारा वेगनिज्म के महत्व पर विचारपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने वैश्विक तापन,जल संकट तथा पशु-आधारित कृषि से उत्पन्न प्रदूषण जैसी गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पशु-आधारित कृषि पर्यावरणीय क्षरण का एक प्रमुख कारण है तथा वेगन जीवन शैली अपनाकर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी, जल संसाधनों का संरक्षण, वनों की कटाई एवं जैव विविधता के ह्रास को रोकने में सहायता मिल सकती है तथा सतत खाद्य प्रणाली को बढ़ावा दिया जा सकता है। कार्यक्रम में छात्राओं एवं शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे यह अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रभावशाली सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्मृति चौधरी, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी (इकाई-2) द्वारा किया गया। उन्होंने वेगनिज्म के नैतिक एवं स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं पर बल देते हुए प्रतिभागियों को अपने दैनिक जीवन में संवेदनशील एवं सजग निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया, जिससे पशु क्रूरता को समाप्त करने की दिशा में योगदान दिया जा सके। कार्यक्रम के दूसरे दिन वेगन आहार एवं जीवन शैली को प्रोत्साहित करने हेतु एक पाक-कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 30 प्रतिभागियों ने अपने वेगन व्यंजन प्रस्तुत किए। मानसी एवं शिखा ने नारियल दूध की खीर बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा उन्हें 5000 रुपए की नकद राशि प्रदान की गई। खुशी ने बिना डेयरी उत्पादों के वेगन रस मलाई बनाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया और 3000 रुपए की पुरस्कार राशि प्राप्त की। मनीषा,अदिति,रिमझिम एवं पूजा को उनके उत्कृष्ट एवं अभिनव वेगन व्यंजनों के लिए विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, टी-शर्ट एवं वेगन कुकबुक प्रदान की गई। प्रतियोगिता ने छात्राओं को यह समझने के लिए प्रेरित किया कि वेगनिज्म केवल आहार में परिवर्तन नहीं, बल्कि एक स्वस्थ शरीर, स्वच्छ पर्यावरण एवं संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मौके पर डॉ. राजीव कुमार, डॉ. मनोज कुमार, डॉ.अवधेश प्रसाद, डॉ. अमरेश कुमार, डॉ. शिखा, डॉ. राघवेंद्र विकास सिंह, डॉ. अमरजीत कुमार, डॉ. जुगल प्रसाद, डॉ. राखी सिंह, डॉ.स्वाति, डॉ. पूनम, डॉ.सरोज, डॉ. सुधा निकेतन रंजनी, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. अंजु कुमारी, डॉ.अनामिका, डॉ. राजबाला, डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार, डॉ. कंचन एवं डॉ. विजय यादव सहित उद्धारिणी फाउंडेशन स्वयंसेवक आर्यन उपाध्याय, सौरभ आदित्य, सनी आदित्य, शुभांग कुमार सुनील कुमार मिश्रा उपस्थित थे।

रामनवमी पर्व में शरारती तत्वों पर पुलिस प्रशासन की होगी पैनी नजर : स्वतंत्र कुमार

एसडीएम बोले..अनुमंडल क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मनेगी रामनवमी

केटी न्यूज/नवादा

चैत रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गई है। एजिसे लेकर रजौली अनुमंडल मुख्यालय स्थित प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गुलशन कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल के विभिन्न विभागों के अधिकारियों,जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया और अपने अनुभवों के आधार पर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वही बैठक में रामनवमी के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी स्वतंत्र कुमार सुमन ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था और अफवाह को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही इसमें खलल डालने वालें दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जबकि निकलने वाली शोभायात्रा मार्गों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। जिन मार्गों पर जुलूस निकाले जाएंगे,वहां सड़क की मरम्मत,सफाई और जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। मुक्त रूप से बिजली के ढीले तारों को ठीक करने तथा आवश्यकतानुसार ऊंचाई बढ़ाने का निर्देश विद्युत विभाग को दिया गया है, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। नगर पंचायत को शोभायात्रा मार्गों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तय मार्ग पर ही निकलेगी शोभा यात्रा प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि रामनवमी के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्राएं पूर्व निर्धारित रूट और समय के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। सभी आयोजकों को लाइसेंस लेने तथा शर्तों का पालन सुनिश्चित करने का टास्क दिया गया है। बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की गतिविधि पर सख्त रोक रहेगी। साथ ही, डीजे के उपयोग को निर्धारित नियमों के अनुरूप सीमित रखने। और अश्लील या आपत्तिजनक गीतों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। वही संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी व्यापक रणनीति बनाई गई। अनुमंडल के संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। सभी जुलूसों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी और ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की भ्रामक या उकसाने वाली पोस्ट पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड,एंबुलेंस और स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने भी सभी से अपील की कि वे आपसी भाईचारा बनाए रखें और अफवाहों से दूर रहें। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि सभी के सहयोग से ही रामनवमी का पर्व शांति, सौहार्द और उत्साह के साथ मनाया जा सकता है। मौके पर सिरदला बीडीओ देवेश कुमार मेसकौर बीडीओ अश्वनी कुमार सिरदला थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, बीडीओ संजीव कुमार झा, इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष रणजीत कुमार, थानाध्यक्ष पप्पू राम, समाजसेवी नवीन कधवे, धनंजय लाल,बीजूबीघा मिसकौर सहित रामनवमी शोभायात्रा के कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया।

अनियंत्रित थार चालक ने युवक को सड़क पर घसीटते हुए दी मौत, दो लोग जख्मी

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले के दरिहट थाना क्षेत्र के भड़कुडिया गांव के गेट के समीप मुख्य सड़क पर थार की चपटे में आने से बाइक सवार की मौत हो गई वही अन्य दो घायल हो गए। घटना के बारे में बताया जाता है कि बुधवार की सुबह 8 बजे की है डेहरी की ओर से तेज रफ्तार थार गाड़ी जिसका नंबर इफ 24 अछ 8956 है आ रही थी। वही मोटर साइकिल स्प्लेंडर प्लस जिसकी गाड़ी नंबर BR24AM9628 है पर सवार तीन युवक भड़कुड़िया (छोटकी) से डेहरी की ओर जा रहे थे। इसी बीच भड़कुडीया गेट के समीप मुख्य सड़क पर डेहरी की ओर से आ रही थार गाड़ी के चपेट में तीनों बाइक सवार आ गए। इस घटना में बाइक सवार विकास कुमार, पिता- स्वर्गीय सत्यनारायण कुशवाहा की मौके पर ही मौत हो गई वही रुस्तम अंसारी, पिता- मिराज अंसारी और नागा पासवान, पिता- अवधेश पासवान दोनों घायल हो गए। तीनो भड़कुडिया के रहने वाले है।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर दरिहट थाने की पुलिस पहुंच कर घायलों को इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया वही शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिए सासाराम सदर अस्पताल पहुंचाया। बताया जाता है कि टक्कर इतनी जबरजस्त थी कि दुर्घटना ने बाइक पर सवार रुस्तम और नागा काफी दूर फेंका गए वही विकाश गाड़ी में फंस गया जिसको घसीटते हुए लगभग 50 मीटर तक थार चालक ले गया। अंत में थार गाड़ी को छोड़कर चालक फरार हो गया। इस संबंध में दरिहट थानाध्यक्ष रविरंजन प्रियदर्शी ने बताया कि गाड़ी को अपने कब्जे में ले कर घायलों को इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजवाया गया है तथा शव के पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

रामनवमी से पहले पुलिस का सख्त एक्शन, 136 लीटर शराब जब्त

केटी न्यूज/राजपुर

रामनवमी पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी कड़ी में राजपुर थाना क्षेत्र के नागपुर गांव के समीप पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 136 लीटर अवैध शराब बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में शराब तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है।

थानाध्यक्ष निवास कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश से शराब की खेप बिहार में खपाने की तैयारी चल रही है। सूचना के आधार पर नागपुर-रामपुर पथ पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान उत्तर प्रदेश की ओर से आ रही दो बाइकों पर सवार चार संदिग्ध युवकों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर सभी भागने लगे, लेकिन त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को पकड़ लिया गया, जबकि एक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान खीरी गांव निवासी भूलन ठाकुर, मंतोष तिवारी और हंकारपुर गांव निवासी गोपाल चौहान के रूप में हुई है। फरार आरोपी गोलू चौहान के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त दोनों बाइकों को भी जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि त्योहार को देखते हुए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और शराब माफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही, लोगों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

भाकपा माले ने आहर जमीन के जीर्णोद्धार कब्जा के विरुद्ध दिया धरना

केटी न्यूज/आरा

प्रखंड मुख्यालय पर बुधवार को भाकपा माले के नेतृत्व में महादलित परिवार से जुड़े सैकड़ो महिला पुरुष अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए। जो तरारी मौजा में 37 एकड़ आहार की भूमि को जीर्णोद्धार के नाम पर कब्जा करने और इस जमीन पर बसे हुए महादलित परिवार को उजाड़ने के मुद्दे को लेकर महादलित परिवार एकजुट हुए और धरना पर बैठ गए। जन समस्याओं के समाधान के लिए प्रखण्ड परिसर में अनिश्चितकालीन धरना माले नेता सतेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया जा रहा हैं। धरना का संचालन तरारी पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि विंध्याचल पासवान के द्वारा किया जा रहा हैं। तरारी गांव में किसानों कि कृषि योग्य भूमि 37 एकड़ जमीन को आहार - पइन पोखर जीर्णोद्वार योजना के नाम पर कब्जा किया जा रहा हैं। स्थानीय विधायक के द्वारा अपनी निजी कम्पनी हॉलिकॉक इंफ्रास्ट्रक्कर प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर जमीन को कब्जा किया जा रहा हैं। स्थानीय ग्रामीण जनता आक्रोशित होकर प्रखण्ड परिसर में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं। बीजेपी अपनी सत्ता के आड़ में प्रशासन को खड़ा कर जेसीबी से जमीन को खोदवा रही हैं। इस गांव के किसान इस जमीन से अन्न उपजाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं । राज्य कमेटी सदस्य संजय कुमार सिंह ने कहा कि इस जमीन को 1970 -71 के सरकार ने महा दलितों के बीच पर्चा देकर अधिकार दिया था । जिस कारण इस जमीन पर 100 से ज्यादा महान दलित परिवार निवास करते हैं और खेती बाड़ी करते हैं। अगर इस जमीन को जीर्णोद्धार के नाम पर कुछ किया गया तो इतनी संख्या में महादलित के परिवार कहां जाएंगे। महादलित परिवार के बीच गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। सरकार एक तरफ महादलितों के उत्थान के लिए काम करने कि बात कहती है तो वहीं स्थानीय विधायक महा दलितों के विरोध में अपनी रोटी सेकने के लिए काम कर रहे हैं। स्थानीय विधायक का पूरा कार्यकाल देखा जाए तो उनमें गरीब विरोधी गतिविधियों का बू आ रही है । धरना का संचालन कर रहे विंध्याचल पासवान ने कहा कि इस जमीन से सत्ताधारी के लोग गरीबों को उजाड़ने का काम कर रही हैं। हम लोग उनके मंसूबों को कामयाब होने नहीं देंगे हम अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन धरना देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मांग पत्र को प्रखंड से लेकर अनुमंडल के पदाधिकारी को दिया गया है। मौके पर जिला परिषद सदस्य जितेंद्र प्रताप सिंह,मुखिया जयप्रकाश सिंह,उपेन्द्र, संजय यादव,नितीश कुमार,रामदयाल पंडित, सतेंद्र राम,धनजी पासवान,शिवनाथ पासवान, अनिल सिंह यादव,रितेश कुमार,वीरेंद्र बैठा रोशन पासवान समेत अन्य लोग शामिल थे।

एक नजर

जमीनी विवाद में सरेआम सड़क पर पीटपीट कर व्यक्ति की हत्या

सासाराम। जिले क्षेत्र सासाराम में जमीन विवाद को लेकर हाल ही में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। घटना मंगलवार 24 मार्च से जुड़ी है। जो सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मुरादाबाद गांव में हुई। घटना में मृतक की पहचान 32 वर्षीय हसन रजा खान (उर्फ आतिफ खान) के रूप में हुई है,जो बाराडीह गांव के रहने वाले थे। विवाद का कारण बताया जा रहा है कि मुरादाबाद गांव के दो पक्षों के बीच एक जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर लंबे समय से पुराना विवाद चल रहा था। जब हसन रजा बाइक से जा रहे थे, तभी हमलावरों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और लाठी-डंडों, ईंट-पत्थरों तथा धारदार हथियारों से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में एक अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक महिला और एक नाबालिग भी शामिल है। साथ ही छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक गैरेज से दो देसी कट्टे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। दूसरी तरफ पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर पति-पत्नी की मौत, बेटी जख्मी

नवादा । जिला क्षेत्र के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के मस्तानगंज मोड़ के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक पर सवार पति-पत्नी की घटना स्थल पर मौत हो गई। जबकि बच्ची गंभीर रूप से जख्मी हो गई बताया जा रहा है कि पति-पत्नी और बच्ची तीनों बरेव गांव से बर्थडे पार्टी में घर बाइक पर सवार होकर आ रहे थे। इसी क्रम में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए जिससे पति शीत पत्नी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बेटी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। मृतक की पहचान पार नवादा तेली टोला निवासी पंकज कुमार सिंह और पत्नी सुषमा देवी पुत्री परी कुमारी के रूप में किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल जिला पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा अस्पताल भेजने के बाद अज्ञात वाहन चालक के अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

परिप्रेक्ष्य विषय पर महिलाओं की बदलती भूमिका पर ऑनलाइन व्याख्यान

आरा। बुधवार को प्रधानाचार्या प्रो.कनकलता कुमारी की अध्यक्षता में वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं की बदलती भूमिकाएं और परिप्रेक्षय विषय पर एक ऑनलाइन विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता उदय प्रताप स्वायत्तशासी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर अलका रानी गुप्ता थीं, जिन्होंने अपने व्याख्यान में समकालीन समाज में महिलाओं की बदलती भूमिकाओं तथा सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. प्रज्ञा राय विभागाध्यक्ष,राजनीति विज्ञान एवं संयोजक अनुसूया महिला सशक्तिकरण क्लब) ने की सचिव डॉ. द्विपिका शेखर एवं डॉ.लज्जा वर्मा, डॉ.अभय मिश्रा ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। अवसर पर नालंदा कॉलेज-पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. कुमारी चंपा ने भी विषय को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कई शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की। अवसर पर ध्यानवाद ज्ञापन डॉ.अंकिता ओझा ने किया। व्याख्यान आयोजन में डॉ. रविकांत रंजन, डॉ. अमित कुमार, डॉ.शालिनी सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महाविद्यालय का अनुसूया महिला सशक्तिकरण क्लब महिला सशक्तिकरण,संवेदनशीलता एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

अज्ञात चोर व्यक्ति का बाइक चुरा हुए फरार, प्राथमिकी दर्ज

पीरो। पीरो थाना क्षेत्र के बहरी महादेव धाम परिसर से मंगलवार की देर शाम चोरों ने उड़ाया एक बाइक। बताया जा रहा है कि अगिआंव बाजार निवासी राजेश्वर राम मंगलवार को छठपूजा के बहरी महादेव धाम बाइक से पहुचें थे। इस दौरान मौका पाकर चोरों ने उनकी बाइक गायब कर दी। कुछ देर बाद वापस घर जाने के लिए बाइक लेने पहुंचे तो वहां उनकी बाइक नहीं मिली। काफी खोजबीन के बाद बाइक नहीं मिलने पर उन्होंने थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया। स्थानीय लोगों के रोष व्यक्त कर कहा कि पीरो क्षेत्र में बाइक चोर लंबे समय से सक्रिय हैं। जहां अक्सर बाइक चोरी की घटना सामने आती है।

आस्था : मां काली के प्रसाद भंडारे में भक्तों की उमड़ी भीड़

बिक्रमगंज। बुधवार को भव्य भंडारा का आयोजन मानी पंचायत के केषोडीह ग्राम में किया गया। यह आयोजन श्री काली मंदिर समिति केषोडीह के तत्वाधान में मां भगवती मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के 25 वां वर्षगांठ के निमित्त बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम चार दिन से आचार्य बाल व्यास श्री अयोध्या जी के मार्गदर्शन में चला। आचार्य रमेश मिश्रा ने भारतीय संस्कृति के विशेषता को भी कथा के माध्यम से उजागर किया। हम सब को भी ऋषि मुनियों की भांति जीवन जीना चाहिए। इससे अध्यात्म एवं राष्ट्रीयता को बल मिलता है। भंडारा के साथ ही कथा की पूणाहुति हो गई। समिति के अध्यक्ष शोभनाथ प्रसाद एवं सचिव सोनू सिंह ने सभी आए हुए अतिथियों का धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी। भंडारे में बड़ी संख्या में माता बहिनी सहित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य मदन प्रसाद वैश्य, जिला प्रवक्ता नवीन चंद्र शाह ,अंजनी गुप्ता,मनोज कुमार, प्रदुमन कुमार,राहुल कुमार,रोहित प्रसाद,मदन गुप्ता, गुप्ता नीतीश सहित सैकड़ों भक्तों के उपस्थिति में कार्यक्रम का समापन माता रानी के जागरण भजन के साथ संपन्न हुई।

पूर्व मुखिया व भाकपा माले नेता कॉमरेड रामाशंकर सिंह का निधन, शोक की लहर

केसठ। भाकपा माले के केसठ प्रखंड कमिटी सदस्य एवं कतिकनार पंचायत के पूर्व मुखिया कॉमरेड रामाशंकर सिंह का मंगलवार की देर रात ब्रेन हैमरेज के कारण निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।बताया जाता है कि वे 1990 के दशक से ही भाकपा माले से जुड़े हुए थे और वर्तमान में प्रखंड कमिटी सदस्य के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

उन्होंने वर्ष 2001 से 2006 तक कतिकनार पंचायत के मुखिया के रूप में जनता का नेतृत्व किया और जनसेवा के प्रति सदैव समर्पित रहे। जीवनभर वे पार्टी के एक सक्रिय और कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते थे। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में राजद के वरिष्ठ नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव, भाकपा माले के प्रखंड सचिव ललन प्रसाद, आदित्य धनराज, रजनीश कुमार सहित कई अन्य लोग शामिल हैं।साथियों ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लाल सलाम किया।

बिहार में खनन विभाग की उपलब्धियां : अब तक 3,252 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली

24 खनन योद्धाओं को किया गया सम्मानित

एजेंसी। पटना

खनन विभाग की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि 24 खनन योद्धाओं को अवैध बालू पकड़ने पर पुरस्कृत किया गया और राज्य में अब तक 3,252 करोड़ रुपये का राजस्व वसूला गया।बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने खनन विभाग की उपलब्धियों और राजस्व वसूली को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि विभाग ने अवैध बालू लदे ट्रैक्टर पकड़ने वाले 24 खनन योद्धाओं को 5-5 हजार रुपये पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बिहार में ओवरलोडिंग और अवैध खनन लगभग बंद हो गया है, इसलिए केवल ट्रैक्टर ही पकड़े गए।खनन योद्धाओं का सम्मान सुरक्षित तरीके से किया गया और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके विवरण सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं। विजय सिन्हा ने बताया कि भोजपुर जिले में निर्धारित लक्ष्य से अधिक राजस्व वसूला गया, और राज्य के 10 जिलों ने अपने लक्ष्यों से ज्यादा राशि प्राप्त की है। अब तक 3,252 करोड़ रुपये का राजस्व वसूला जा चुका है और उम्मीद है कि साल के अंत तक यह 3,800 करोड़ रुपये के लक्ष्य तक पहुंच जाएगा।उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने घाट सरेंडर किया है, उन्हें फिर से वह घाट नहीं दिया जाएगा। सरेंडर किए गए घाटों को नए लोगों को आवंटित किया जाएगा। 23 मार्च को रोहतास में 3 और गया में 1 बड़े माइंस का टेंडर संपन्न हुआ। गोपालगंज में हाल ही में हुई घटना की शिकायत मिलने पर दोषी पदाधिकारियों और थानेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी को पत्र भेजा गया है और प्रमाण मिलने पर कठोर कार्रवाई होगी।

राजस्व अधिकारियों को अल्टीमेटम, आज काम पर नहीं लौटे तो जाएगी नौकरी, सरकार बोली- अब नहीं चलेगी हड़ताल

एजेंसी। पटना

बिहार में अपनी मांगों को लेकर सामूहिक अवकाश पर गए राजस्व अधिकारियों के खिलाफ राज्य सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि 25 मार्च की शाम 5 बजे तक सभी अधिकारी हर हाल में अपने कर्तव्य पर लौटें, अन्यथा उनके खिलाफ कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने इस हड़ताल को अवैध करार देते हुए इसे जनहित के खिलाफ बताया है। सरकार का कहना है कि राजस्व अधिकारियों का सामूहिक अवकाश प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और इससे आम जनता को परेशानी झेलनी पड़ रही है। विभाग ने साफ किया है कि नियमों के विरुद्ध जाकर किया गया यह विरोध प्रदर्शन अब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार ने केवल चेतावनी देकर ही नहीं छोड़ा है, बल्कि कार्रवाई का पूरा खाका भी तैयार कर लिया है। विभाग के अपर सचिव आजीव वत्सराज द्वारा जारी पत्र के अनुसार, जो अधिकारी निर्धारित समयसीमा के बाद भी अनुपस्थित रहेंगे, उनके खिलाफ ह्यसेवा टूटह्ल (ब्रेक इन सर्विस) की कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा वेतन कटौती, विभागीय जांच और अन्य दंडात्मक कदम भी उठाए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इस तरह की हड़ताल न केवल प्रशासनिक कार्यों को बाधित करती है, बल्कि जनता के अधिकारों का भी हनन करती है। इसलिए इस मुद्दे पर कोई ढील नहीं बरती जाएगी। राजस्व सेवा के अधिकारी 9 मार्च से सामूहिक अवकाश पर हैं। वे अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस कदम को अनुशासनहीनता बताते हुए कड़ा रुख अपनाया है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस तरह का सामूहिक अवकाश प्रशासन को चुनौती देने जैसा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने इस पूरे मामले को जनहित से जोड़ते हुए कहा है कि दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) जैसे जरूरी कार्य किसी भी हाल में बाधित नहीं होने दिए जाएंगे। सरकार का दावा है कि हड़ताल के बावजूद कामकाज पूरी तरह ठप नहीं हुआ है और अब तक 12 हजार से अधिक मामलों का निपटारा किया जा चुका है।

सरकारी कार्यक्रमों पर फोकस

सरकार की सख्ती के पीछे आगामी महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी एक बड़ी वजह हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ह्यसमृद्धि यात्राह्ल और ह्यभूमि सुधार जनकल्याण संवादह्ल जैसे कार्यक्रम जल्द आयोजित होने वाले हैं। इन कार्यक्रमों की सफलता के लिए राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति बेहद जरूरी मानी जा रही है। सरकार का कहना है कि इन योजनाओं के जरिए आम लोगों तक सरकारी सेवाएं पहुंचाने का लक्ष्य है, ऐसे में अधिकारियों की अनुपस्थिति से कार्यक्रमों पर असर पड़ सकता है।

अब सबकी नजरें डेडलाइन पर

सरकार के इस कड़े रुख के बाद अब सभी की नजरें 25 मार्च की शाम 5 बजे की डेडलाइन पर टिकी हैं। यह देखना अहम होगा कि कितने अधिकारी सरकार के अल्टीमेटम के बाद काम पर लौटते हैं और कितनों के खिलाफ कार्रवाई होती है। स्पष्ट है कि सरकार इस मुद्दे पर पीछे हटने के मूड में नहीं है और जनहित को प्राथमिकता देते हुए कड़े फैसले लेने के लिए तैयार है।

एक नजर

दर्दनाक हादसा! स्कूल बस-ट्रक की भिड़ंत में 2 शिक्षकों की मौत, बच्चों में मचा चीख-पुकार

सासाराम। बिहार के सासाराम से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है। रोहतास जिले के परसथुआ थाना क्षेत्र में स्कूली बच्चों को लेकर पटना जा रही एक बस की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण दुर्घटना में बस में सवार दो शिक्षकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक स्कूली बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, कैमूर जिले के चैनपुर स्थित मध्य विद्यालय बढोना से छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक टूर पर पटना ले जाया जा रहा था। बस में कई शिक्षक भी सवार थे। जैसे ही बस रोहतास जिले के परसथुआ के पास मोहनिया-आरा पथ पर पहुंची, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक से उसकी आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में जिन दो शिक्षकों की मौत हुई है, उनकी पहचान कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के भैंसहर गांव निवासी संजय कुमार राय और उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के माविहार थाना क्षेत्र के बगहवा गांव निवासी पुनीत कुमार सिंह के रूप में की गई है। दोनों की मौत मौके पर ही हो गई, जिससे उनके परिवारों में कोहराम मच गया है। वहीं, इस दुर्घटना में कई बच्चे घायल हुए हैं। सभी घायलों को तुरंत सासाराम के सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी बच्चों को छुट्टी दे दी गई। इसके अलावा चार अन्य शिक्षक भी घायल हुए हैं, जिनमें विपिन पांडे, सियानंद पटेल, लोरी सिंह और एक महिला शिक्षिका ललिता कुमारी शामिल हैं। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज जारी है।

बिजली चोरी पकड़ने गई टीम पर हमला: जेई समेत कर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, एक गिरफ्तार

पश्चिमी चम्पारण। बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां सरकारी ड्यूटी पर गई बिजली विभाग की टीम पर ही हमला कर दिया गया। शिकारपुर थाना क्षेत्र के राजपुर तुमकड़िया गांव में छापेमारी के दौरान कनीय अभियंता (जेई) और अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, राजपुर तुमकड़िया गांव के वार्ड संख्या 2 में लंबे समय से अवैध तरीके से बिजली उपयोग किए जाने की शिकायत मिल रही थी। इसी सूचना के आधार पर बिजली विभाग ने कार्रवाई करने का निर्णय लिया। कनीय अभियंता राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें पर्यवेक्षक राकेश कुमार, मीटर रीडर दीपक कुमार उपाध्याय, लाइनमैन छोटू राम और अन्य कर्मचारी शामिल थे। गठित टीम जब गांव में पहुंची, तो उन्होंने जांच शुरू की और बिजली चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लाइन काटने और मीटर जांचने का काम शुरू किया। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोग अचानक लाठी-डंडे के साथ मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते उन्होंने टीम को चारों तरफ से घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले गाली-गलौज की और फिर अचानक हमला कर दिया। कनीय अभियंता समेत सभी कर्मचारियों को लाठी-डंडों से पीटा गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि टीम के सदस्यों को अपनी जान बचाकर वहां से भागना पड़ा। इस दौरान सरकारी काम पूरी तरह बाधित हो गया।

गंगा में नहाने गए चार दोस्त, अचानक गहराई में समाए, दो की दर्दनाक मौत से गांव में मचा कोहराम

एजेंसी। आरा

आरा जिले के बबुरा थाना क्षेत्र में गंगा घाट पर नहाने गए चार दोस्तों में से दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। छोटी गंगा घाट पर हुए इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है, जबकि दो अन्य युवक किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे। बिहार के आरा जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है। बबुरा थाना क्षेत्र के बधु छपरा (विशुनपुर) स्थित छोटी गंगा घाट पर नहाने गए चार दोस्त अचानक गहरे पानी में चले गए। इस घटना में दो युवकों की डूबने से मौत हो गई, जबकि दो अन्य किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे। मिली जानकारी के अनुसार, चारों युवक एक साथ गंगा नदी में नहाने के लिए घाट पर पहुंचे थे। शुरूआत में सब कुछ सामान्य था, लेकिन कुछ ही देर में वे गहरे पानी की ओर बढ़ गए और अचानक संतुलन बिगड़ने से डूबने लगे। वहां मौजूद लोगों ने जब उन्हें डूबते देखा, तो तुरंत शोर मचाया और बचाने की कोशिश की। अफरा-तफरी के बीच दो युवक किसी तरह बाहर निकल आए, लेकिन बाकी दो युवक नदी की तेज धारा और गहराई में समा गए। घटना की खबर मिलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग घाट पर इकट्ठा हो गए। स्थानीय प्रशासन को तुरंत सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ की टीम ने करीब 5 घंटे तक लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया। काफी मशक्कत के बाद दोनों युवकों के शव नदी से बाहर निकाले गए। इस दौरान घाट पर मौजूद लोगों की सांसें थमी रहीं और हर कोई किसी चमत्कार की उम्मीद कर रहा था, लेकिन अंत में दोनों को मृत अवस्था में बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान विशुनपुर गांव निवासी नागेंद्र पाठक के 22 वर्षीय पुत्र निशांत पाठक उर्फ मुगलु और नारायण कहार के 19 वर्षीय पुत्र सागर कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि निशांत पाठक हाल ही में वाराणसी से वेद की पढ़ाई पूरी कर करीब चार महीने पहले ही अपने गांव लौटा था। वहीं सागर कुमार इंटर का छात्र था और अपनी पढ़ाई में लगा हुआ था। घटना के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। हर कोई इस हादसे से स्तब्ध है और मृतकों को याद कर भावुक हो रहा है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिहार में दो दिन से लापता किशोर का पोखर में मिला शव, दादा की भी सदमे में हुई मौत

सहरसा। बिहार के सहरसा जिले से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। बलवाहाट थाना क्षेत्र के चपराव गांव में दो दिनों से लापता 16 वर्षीय किशोर का शव उसके घर के पास स्थित पोखर में तैरता हुआ मिला। इस घटना से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे गांव में शोक का माहौल बन गया है। सबसे दर्दनाक बात यह रही कि पोते की मौत की खबर सुनते ही दादा भी इस सदमे को सहन नहीं कर सके और उनकी भी जान चली गई। मिली जानकारी के अनुसार, चपराव गांव निवासी भूपेंद्र सादा का पुत्र शिवधन कुमार घर से खेलने के लिए निकला था। शुरूआत में परिजनों ने सोचा कि वह आसपास ही होगा और थोड़ी देर में वापस आ जाएगा, लेकिन देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिवार की चिंता बढ़ने लगी। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर गांव और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। रात होने के बाद भी जब शिवधन का कोई पता नहीं चला, तो परिजनों की बेचैनी और बढ़ गई। अगले दिन गांव के लोगों की मदद से भी उसकी खोजबीन की गई, लेकिन हर प्रयास बेकार साबित हुआ। अंततः उसके पिता ने बलवाहाट थाना में आवेदन देकर अपने बेटे की बरामदगी की गुहार लगाई। पुलिस मामले की जांच में जुट ही रही थी कि इसी बीच गांव में अचानक हलचल मच गई। कुछ ग्रामीणों ने घर के पास स्थित पोखर में एक शव को तैरते हुए देखा। यह खबर तेजी से फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। जब शव को नजदीक से देखा गया, तो उसकी पहचान लापता किशोर शिवधन कुमार के रूप में हुई। यह दृश्य बेहद दर्दनाक था। जैसे ही यह खबर परिवार तक पहुंची, वहां चीख-पुकार मच गई। मां और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है कि यह हादसा है या इसके पीछे कोई और कारण है। घटना के बाद कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। सभी ने परिवार को ढांढस बंधाया और प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग की। स्थानीय विधायक ने भी गहरा दुख जताते हुए परिवार को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। इस घटना ने परिवार को उस समय और भी ज्यादा तोड़ दिया, जब शिवधन के दादा बंगाली सादा (65 वर्ष) की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पोते के लापता होने के बाद से ही उनकी तबीयत खराब चल रही थी। जैसे ही उन्हें यह पता चला कि उनके पोते का शव पोखर में मिला है, वे इस सदमे को सहन नहीं कर सके और उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

आरा कोर्ट में पवन सिंह ने तलाक की मांग दोहराई, पत्नी ज्योति सिंह नहीं हुईं पेश

एजेंसी। पटना

भोजपुरी सिनेमा के पावरस्टार पवन सिंह बुधवार को आरा सिविल कोर्ट पहुंचे। पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच चल रहे तलाक मामले में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान पवन सिंह ने कोर्ट को बताया कि अब वो ज्योति सिंह के साथ नहीं रह सकते, उन्हें ज्योति सिंह से तलाक चाहिए। पवन सिंह ने वन टाइम सेटलमेंट के लिए अपनी सहमति जताई। लेकिन सुनवाई में पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह शामिल नहीं हुईं।कोर्ट में पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह दोनों की पेशी थी, लेकिन ज्योति सिंह कोर्ट नहीं पहुंचीं। उनके वकील से जब संपर्क किया गया तब उन्होंने बताया कि ज्योति सिंह से संपर्क साधने की कोशिश की लेकिन बात नहीं हो पाई। कोर्ट पहुंचे पवन सिंह ने जज के समक्ष अपनी बातें रखी। आधा घंटे बाद जब वो कोर्ट से बाहर निकले तो चेहरे पर मायूसी झलक रही थी। उनकी एक झलक पाने के लिए उनके फैंस कोर्ट परिसर के बार बड़ी संख्या में मौजूद थे। पवन सिंह के वकील सुमन सिंह ने बताया कि आज रिकॉन्सिलिएशन के लिए पवन सिंह और ज्योति सिंह को बुलाया गया था। ज्योति सिंह किसी कारणवश कोर्ट नहीं पहुंचीं। कोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी बातचीत कराने की कोशिश की, लेकिन ज्योति सिंह से संपर्क नहीं हो सका। पवन सिंह ने जज साहब से कहा कि मैं ज्योति सिंह के साथ नहीं रहना चाहता। वकील ने बताया कि पवन सिंह ने यह भी कहा कि जो भी वन-टाइम सेटलमेंट होगा, उसे करने के लिए वे तैयार हैं।पवन सिंह के वकील सुमन सिंह ने बताया कि पवन सिंह और ज्योति सिंह को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था लेकिन पवन सिंह आए लेकिन ज्योति सिंह उपस्थित नहीं हुई। उनके वकील को सुचित किया गया तब उनका कहना था कि ज्योति सिंह से संपर्क नहीं हो पा रहा है। पवन सिंह ने जज साहब के समक्ष अपनी बातें रखी। उन्होंने कहा कि साथ रहना अब संभव नहीं। तलाक के लिए केस किया गया है। वन टाइम सेटलमेंट पर बात होगा। लेकिन यदि वो आती है तब। आज दोनों को कोर्ट में बुलाया गया था लेकिन वो आई नहीं, इसलिए इस पर बात नहीं हो सकी। यदि दोनों लोग उपस्थित होते हैं, तब ही इस पर चर्चा होगी। दोनों से बात किया जाएगा कि वो क्या देना चाहते हैं और ज्योति सिंह क्या लेना चाहती है। ज्योति सिंह की बातों को भी सुना जाएगा। पवन सिंह के वकील ने आगे कहा कि दोनों को बुलाया गया था, यह पूछने के लिए कि दोनों साथ रहना चाहते हैं या नहीं।

ध्यान रखें! रामनवमी पर पटना में शोभा यात्रा के दौरान कोई भी डीजे नहीं चलेगा

एजेंसी। पटना

बिहार में रामनवमी के मौके पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। पटना पुलिस और जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों और थानाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी शोभा यात्रा के दौरान डीजे या अन्य उन्मादी संगीत बजाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस महानिरीक्षक केंद्रीय क्षेत्र, जितेंद्र राणा ने कहा है कि यदि कोई जुलूस इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को अपने कार्यालय में आयोजित बैठक में आईजी ने स्पष्ट किया कि सभी आयोजन नियंत्रित और शांतिपूर्ण होने चाहिए। प्रशासन ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक शोभा यात्रा के लिए पूर्व में लाइसेंस जारी किया जाए। इस लाइसेंस में यात्रा में शामिल लोगों की संख्या, साउंड सिस्टम की पूरी विवरणी और सुरक्षा व्यवस्था का उल्लेख होना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही हर जुलूस के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और पुलिस स्कॉर्ट तैनात किया जाएगा। बिना पुलिस स्कॉर्ट के किसी भी जुलूस को निकालने की अनुमति नहीं होगी। मार्ग पर सीसीटीवी, वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। थानाध्यक्षों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से सूचित करें कि कितनी यात्राएं मार्ग पर हैं और कितनी तय स्थान पर पहुंच चुकी हैं। प्रशासन ने विशेष रूप से असामाजिक तत्वों पर नजर रखने और संभावित समस्याओं को रोकने के लिए हर कदम उठाने का आदेश दिया है।पटना यातायात पुलिस ने रामनवमी के दिन कई मुख्य मार्गों पर वाहनों के परिचालन पर रोक और रूट डायवर्जन का आदेश जारी किया है। आर ब्लॉक से पटना जंक्शन की ओर 26 मार्च की रात 8 बजे से 27 मार्च की रात 11 बजे तक वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद रहेगा। हालांकि अग्निशमन, एंबुलेंस और शव वाहन जैसी आपातकालीन सेवाओं को छूट दी गई है। महावीर मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालु वीर कुंवर सिंह पार्क के पश्चिमी गेट से प्रवेश करेंगे और कतारबद्ध होकर दर्शन करेंगे। आर ब्लॉक से जीपीओ और पटना जंक्शन की ओर किसी भी वाहन का परिचालन नहीं होगा। महावीर मंदिर के आसपास और पटना जंक्शन गोलंबर के पूरब वीणा सिनेमा रोड तक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। पटना जिला प्रशासन का मानना है कि ये सख्त कदम रामनवमी के त्योहार को शांतिपूर्ण और सुगम बनाने के लिए आवश्यक हैं। महावीर मंदिर क्षेत्र में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए पुलिस और प्रशासन दोनों ने यातायात और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया है। प्रशासन और पुलिस ने सभी आयोजक समितियों से अपील की है कि वे निर्धारित रूट और समय का पालन करें तथा किसी भी प्रकार के डीजे या उन्मादी संगीत का इस्तेमाल न करें। शुक्रवार, 27 मार्च को रामनवमी उत्सव मनाया जाएगा। श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे यातायात एडवाइजरी का पालन करें और वैकल्पिक रूटों का उपयोग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन ने कहा है कि सुरक्षा और व्यवस्था के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है, ताकि पर्व सुरक्षित और सुखद माहौल में मनाया जा सके।

मुजफ्फरपुर में रामनवमी को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की नजर

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर जिले में आगामी 27 मार्च 2026 को मनाये जाने वाले रामनवमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। सुरक्षा व्यवस्था की कमान खुद वरीय पुलिस अधीक्षक (ररढ) कांतेश कुमार मिश्रा संभाल रहे हैं। शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार संपन्न कराने के लिए मुजफ्फरपुर पुलिस ने एक विस्तृत सुरक्षा ब्लूप्रिंट तैयार किया है, जिसके तहत संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल की तैनाती और आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। कुल मिलाकर करीब 550 पुलिसकर्मी और मजिस्ट्रेट की तैनाती रहेगी साथ ही बाहर से आए पुलिस की तीन कंपनी भी संभालेगी सुरक्षा का जिम्मा । साथ ही साथ सभी डीएसपी की से कुल मिलाकर 8 क्विक रिस्पांस टीम बनाया गया है जो सभी इलाकों में क्षेत्र के अनुसार मोर्चो संभाले रहेगी । तीन लेयर में होगी सुरक्षा और मॉनिटरिंगः एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले की विधि-व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। शरारती तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जिले में तीन प्रमुख स्थानों पर हाई-टेक उउळश कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। इन कंट्रोल रूम के जरिए भीड़भाड़ वाले इलाकों और जुलूस मार्गों की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी। इसके अतिरिक्त, रामनवमी के जुलूसों की हवाई निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जाएगा, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।